

# 遇梦记

1=♯F 2/4  
♩=76

演唱：司夏

若紫莺作词  
纯白作曲  
Flynn、制谱

(7·i i 5 | 7·i i 5 | 7·i i 5 | 3 3 5 | 7·i i 5 | 7·i i 5 | 7·i i 5 | 6 3 2 3 |  
||: 6 3 | 5 3 2 2 i | 5 2 | 3 2 i i 5 | 6 3 5 | 6 2 5 | 5 3 | 3 3 2 3 | 6 3 | 5 3 2 2 i |  
5 2 | 3 2 i i 5 | 6 3 5 | 6 2 5 | 5 6· | 0 0) | 6 6 6 6 5 | 6 5 3 3 2 | 3 5 5 | 5 0 0 |  
1. 三月春 风 悠悠拂 弄 鱼虫，  
2. 春去春 来 送过暖 风 几阵，  
6 6 6 6 5 | 6 5 3 3 2 | 5·3 3 | 0 2 3 5 | 6 5 6 6 i | 7 6 0 6 | 5 3 2 2 3 | 6 0 6 i |  
花猫逐 尾 转瞬不 见 影踪。 寻觅间 误入云 山 深处，忽 闻佩玉 叮 咚，是谁  
(6 0)  
抱膝而 坐 又是睡 意 昏昏。 许是那 一树繁 花 太盛， 遮我目 深 深，从此  
2 i 6 6 0 6 | 5 3 | 6 - | 0 6 i | 2 3 6 6 0 i | 2 3 5 5 3 2 | 3 - | 0 6 i | 2 3 6 6 0 i |  
家少年，明 净 音 容？ 梦于 一念生， 幻 境 中 描 摹 其 人， 眠时 长 相 见， 张  
长梦里，再 无 旁 人。 梦于 心 头 生， 幻 境 中 自 有 灵 根， 知 我 相 思 意， 许  
2 3 6 6 5 | 3 - | 0 2 3 5 | 6 5 6 6 i | 7 6 0 6 | #5 3 2 3 2 | i 0 6 i | 2 3 6 6 0 i |  
眼 又添 愁 闷。 看 湖 边 古 树 繁 花 如 伞， 空 惹 鸟 鸣 声 声， 何 年 再 遇 他， 眉  
我 一 朝 成 真。 哪 怕 是 途 中 风 波 迭 起， 衣 沾 日 月 星 辰， 但 问 重 逢 处， 不  
2 #2 2 i i 5 #5 | 5 - | 0 5 i 2 | 3 2 3 3 0 i | 2 i 3 3 0 i | 2 i 3 3 i | i 0 6 i |  
目 含 笑 相 问？ { 轻 步 履、 小 行 囊， 人 间 游 荡， 识 得 万 千 风 光， 只 不  
问 山 水 几 程。 }  
i 2 2 2 0 3 | 5 6 5 3 2 | 5 3 . | 0 5 i 2 | 3 2 3 3 0 i | 2 i 3 3 0 i | 2 i 3 3 i |  
及 那 日， 匆 匆 偷 眼 一 回 望。 朝 所 思、 夕 所 想， 且 吟 且 唱， 寄 予 无 边 斜  
1. i 0 6 i | 2 i 6 6 0 i | 2 3 2 i 7 | 6 - | (0 3 2 3 :|| 2 6 - | 6 5 i 2 | 3 2 3 3 0 i |  
阳， 徘 徊 芳 菲 里， 指 上 依 稀 有 余 香。 轻 步 履、 小 行 囊， 人  
2 i 3 3 0 i | 2 i 3 3 i | i 0 6 i | i 2 2 2 0 3 | 5 6 5 3 2 | 5 3 0 | 5 i i 2 |  
间 游 荡， 遇 过 万 千 风 光， 总 不 及 今 日， 浅 笑 低 语 在 身 旁。 朝 所 思、  
3 2 3 3 0 i | 2 i 3 3 0 i | 2 i 3 3 5 | 6 0 6 i | 2 i 6 6 0 i | 2 3 2 i 7 | 5 6 6 |  
夕 所 想， 如 吟 如 唱， 山 外 明 艳 斜 阳，并 立 花 树 下， 赏 此 生 漫 漫 悠 长。  
= 6 0 | (7·i i 5 | 7·i i 5 | 7·i i 5 | 3 3 5 | 7·i i 5 | 7·i i 5 | 7·i i 5 | 6 - ) ||